परिपत्र संख्याः 5 /2013

अरूण कुमार

आई.पी.एस.

अपर पुलिस महानिदेशक

अपराध एवं कानून–व्यवस्था

उत्तर प्रदेश

1–तिलक मार्ग, लखनऊ

दिनांकः– जून 4, 2013

विषयः SWAT TEAM

प्रिय महोदय,

उत्तर प्रदेश पुलिस के सामने अपराध और आतंकवाद की गंभीर चुनौतियॉ हैं, जिनसे निपटने के लिए प्रदेश स्तर पर एसटीएफ और एटीएस का गठन किया गया है। लेकिन जनपद स्तर पर ऐसी चुनौतियॉ उत्पन्न होने पर जनपद की भी ऐसी विशेषज्ञ इकाई होनी चाहिये, जो इनके पहुॅचने तक स्थिति हो नियंत्रण में रख सके। इसके अतिरिक्त जनपद स्तर पर प्रायः देखा गया है कि सटीक अभिसूचना होने पर भी पुलिस की दबिश विफल हो जाती है और अपराधी भाग निकलते हैं। इसका मुख्य कारण ऐसे आपरेशन के लिए विशेषज्ञ टीम का न होना हैं।

विगत में इस मुख्यालय के परिपत्र संख्या 3/13 दिनांक 14.3.2013 के द्वारा अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, कुख्यात अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने एवं गुणात्मक विवेचना हेतु प्रदेश के सभी जनपदों में काइम ब्रान्च का गठन किया जा चुका है। इन सभी शाखाओं में ऐसी टीम की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो फील्ड में खतरनाक आपरेशन्स को अंजाम देने में सक्षम हो और विकट परिस्थितियों में अपराधियों का मुकाबला विशेषज्ञतापूर्ण तरीके से कर सके। इन्ही आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक जनपद में काइम ब्रान्च के अन्तर्गत स्वॉट टीम गठन किये जाने के निर्देश दिये गये थे। इस टीम के प्रमुख कार्य अपहृतों की मुक्ति, सक्रिय शूटरों को निष्क्रिय करना, दुर्दान्त अपराधियों को पकड़ना, आतंकवादी घटनाओं से निपटना, आदि होगा।

उक्त आदेश के अनुपालन में स्क्वॉट टीम के गठन के सम्बन्ध में निम्न निर्देश निर्गत किये जाते हैं:–

गठन:

उत्तर प्रदेश पुलिस में युवा, फिट और कुशाग्र कर्मियों की कमी नहीं है। कुछ पुलिस कर्मियों द्वारा कमांडो कोर्स भी किया गया है। यद्यपि इस टीम में शामिल होने के लिए मुख्य कारक प्रेरणा, जज़्बा और जोश होने चाहिए, लेकिन जनपद प्रभारी के हाथ में उपलब्ध भौतिक सुविधाओं को भी मनोबल बढ़ाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है, जैसे आवास आवंटन में वरीयता, सशस्त्र पुलिस से सिविल पुलिस स्थानान्तरण एवं समय समय पर अन्य प्रकार की सुविधाएं व मदद।

प्रत्येक जनपद में इस आदेश के अनुपालन में प्रत्येक टीम में 01 उ0नि0, 01 मुख्य आरक्षी व 08 आरक्षी नियुक्त होंगे। किसी जनपद में यदि जनपद प्रभारी वहाँ की परिस्थितियों के अनुरूप जरुरत समझते हैं तो 02 उ0नि0, 02 मुख्य आरक्षी व 16 आरक्षी तक कर सकते हैं। इस टीम का प्रभारी उपनिरीक्षक स्तर का एक अधिकारी होगा और टीम के पर्यवेक्षण के लिए एक राजपत्रित अधिकारी नियुक्त किया जाएगा जो प्रशिक्षण, प्रशासन व अनुशासन के लिए जिम्मेदार होंगे। आवश्यकता पड़ने पर ये आपरेशन का नेतृत्व भी करेंगे। इसलिए राजपत्रित अधिकारी का चयन करते समय ऐसे अधिकारी की रूचि, फिटनेस, पूर्व प्रशिक्षण व समय की उपलब्धता का भी ध्यान रखा जाए। ऐसे राजपत्रित अधिकारी की आयु भी यथा सम्भव 35 वर्ष से अधिक न हो। इन राजपत्रित अधिकारियों एवं प्रभारी उपनिरीक्षकगण को 04 दिवस का ओरियन्टेशन कोर्स प्रदेश स्तर पर कराया जाएगा।

चयन प्रकिया:

जनपद स्तर पर इस टीम में शामिल होने के इच्छुक अधिकारी/कर्मचारीगण को नोटिस, सम्मेलन एवं गणना पर बताया जाए। चयन स्वैच्छिक आधार पर ही किया जाए।

आयु सीमा: आरक्षी के लिए अधिकतम 35 वर्ष,

उ0नि0 व मुख्य आरक्षी के लिए अधिकतम 40 वर्ष

शारीरिक परीक्षा: बीम/ चिनिंग अप– न्यूनतम 5

दौड़– 100 मी0 14 सैकेण्ड में

फायरिंग परीक्षा: टारगेट लगा कर .303 और एसएलआर की फायरिंग की परीक्षा ली जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कर्मी फायरिंग में दक्ष हों ताकि उन्हें अग्रेत्तर प्रशिक्षण कराया जा सके।

यह न्यूनतम मानक होंगे। अधिक संख्या में सफल कर्मियों की स्थिति में चयन मेरिट के आधार पर किया जाए। SWAT टीम का गठन जून 25, 2013 तक प्रत्येक दशा में कर लिया जाय। ऐसी चयनित टीमों को प्रथमतः जनपद स्तर पर ही अभ्यास कराया जाएगा। आरम्भिक अभ्यास में 1 मिनट ड्रिल, Glock Pistol, AK47, SLR, INSAS, HE-36 व GF की ट्रेनिंग करायी जाए। एक मिनट ड्रिल का manual e-mail से सभी पुलिस अधीक्षक को भेजा जा रहा है।

वर्दी:

स्वॉट टीम की वर्दी निम्नवत् होगी:

	वर्दी का प्रकार	प्रयोग का विवरण
1	खाकी वर्दी (वर्किंग यूनिफार्म)	सामान्य कार्यों में या स्थानीय पुलिस के साथ दिन की दबिश में (जब स्वॉट की आवश्यकता हो लेकिन आप्रेशन को लो प्रोफाइल रखना हो)
2	काली वर्दी	स्वॉट आपरेशन के समय, विशेषतः रात्रिकालीन कार्यवाही के समय
3	कैमोफ्लाज वर्दी	ऐसे जनपदों में ज़हाँ बीहड़/जंगल आदि हों

संसाधन की व्यवस्था:

इस टीम के लिए संसाधनों की व्यवस्था जनपद व पुलिस मुख्यालय स्तर पर की जाएगी। शुरूआती दौर के लिए कई जनपदों, अन्य यूनिटों पर काफी टैक्टीकल उपकरण व संसाधन मौजूद हैं जिनका विशिष्ट टीम के अभाव में इष्टतम उपयोग नहीं हो पा रहा है। असाल्ट राइफल, ग्लॉक पिस्टल, बुलेट प्रूफ हेलमेट/ पटका, जीपीस, स्टन ग्रिनेड, एनवीडी, वायरलैस सैट, आदि जैसे मुख्य टैक्टीकल उपकरण प्रत्येक जनपद में स्टोर में पहले से

उपलब्ध हैं। लेकिन कुछ उपकरणों को क्रय करना होगा– जैसे कि Tactical light, Lazer Dot Aiming Device, Commando Dagger, Room entry equipment, ड्रांगरी, बूट, वायरलैस के लिए टैक्टीकल हैडसैट, आदि। इस प्रकार इस टीम के लिए उपकरणों की व्यवस्था निम्नवत् की जाएगी:–

1 जनपद स्तर पर उपलब्ध साधनों द्वारा
2 पुलिस मुख्यालय स्तर पर उपलब्ध साधनों द्वारा
3 जनपद पर वित्तीय साधनों द्वारा क्रय किये जा सकने वाले संसाधन
4 पुलिस मुख्यालय पर वित्तीय साधनों द्वारा क्रय किये जा सकने वाले संसाधन

उपकरणों को क्रय के सम्बन्ध में अलग से निर्देश जारी किये जा रहे हैं। पुलिस विभाग द्वारा वर्तमान में MP 5 जैसे उन्नत हथियारों की खरीद भी की जा चुकी है। इन्हें आवश्यकतानुरूप पुलिस मुख्यालय के माध्यम से जनपद पुलिस को आवंटित करा कर स्वॉट टीम को उपलब्ध कराया जा रहा है। (संलग्नक 1)

<u>प्रशिक्षण:</u>

टीम के चयन के उपरान्त सभी जनपद पुलिस लाइन में प्रारंभिक प्रशिक्षण शुरू करवा देंगें जिसमें विशेष तौर से 1 मिनट ड्रिल की शारीरिक दक्षता, विभिन्न शस्त्रों के प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

प्रथम चरण में राज्य स्तर पर एक प्रशिक्षण केन्द्र पर जोन मुख्यालय के जनपदों की टीमों का 05 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण केन्द्र व तिथि की सूचना बहुत जल्द दी जायेगी। अपेक्षा की जाती है कि यह टीम प्रशिक्षण के उपरान्त जोन मुख्यालय पर इस प्रकार का 05 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर जोन के अन्य SWAT टीमों को प्रशिक्षित करायेगें।

इसी दौरान अच्छे प्रशिक्षकों की उपलब्धता बढ़ने पर इस प्रशिक्षण केन्द्रों पर SWAT टीम के रिफ्रेशर कोर्स प्रस्तावित है। प्रत्येक जनपद में SWAT टीमों का 02 सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स समय – समय पर कराया जाता रहेगा।

रणकौशल (Tactics):

रणकौशल के मानकों का विकास प्रदेश स्तर पर किया जा चुका है एवं स्वॉट टैक्टिक्स मैनुअल तैयार हो रहा है। **जनपद स्तर पर टैक्टिस में परिवर्तन नहीं किया जाएगा।** यदि जनपद स्तर पर परिवर्तन की आवश्यकता महसूस होती तो उसे पुलिस महानिरीक्षक, एसटीएफ के माध्यम से अवगत कराया जाएगा, जिस पर चर्चा–परिचर्चा के बाद अच्छे सुझावों को टैक्टिक्स मैनुअल में शामिल किया जाएगा। इससे प्रदेश की समस्त स्वॉट टीमों में एकरूपता बरकरार रहेगी और अधिकारी या कर्मचारी के स्थानान्तरण से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

टीम की टैकटिक्स के विकास एवं प्रशिक्षण का क्रम निम्नानुसार होगा:–

1 बेसिक टैकटिक्स

2 रस्से की टैकटिक्स

3 Sniper Tactics

4 Aerial Insertion and Extraction Tactics

इस समय केवल प्रथम चरण का प्रशिक्षण कराया जाएगा। धीरे धीरे अगले चरण का विकास शुरु किया जाएगा।

Deployment/ Mobilization:

स्वॉट टीम जनपद के पुलिस प्रमुख के आदेश पर ही deploy होगी। आदेश मिलने पर 20 मिनट में टीम समस्त उपकरणों के साथ वाहन में बैठ कर मूव करने के लिए तैयार होनी चाहिए। इसके लिए communication plan विकसित करना होगा और mobilization ड्रिल का कम से कम सप्ताह में एक बार अभ्यास किया जाएगा।

स्वॉट team का deployment कभी भी टुकड़ों में नहीं किया जाएगा। 1–1–8 की जनशक्ति से कम में सार्थक स्वॉट आप्रेशन संभव नहीं है।

भवन:

स्वॉट टीम के लिए एक कार्यालय कक्ष बनाया जाएगा जहां अभिलेख, प्रशिक्षण सामग्री और non - ordnance (आयुध के अलावा) उपकरण रखे जाएंगे। इस कार्यालय को प्रशिक्षण

कक्ष के रूप में भी प्रयोग किया जाएगा। यहाँ 1 कम्प्यूटर (इंटरनेट के साथ), 1 एलसीडी मय डीटीएच सुविधा और 1 वायरलैस सैट लगाया जाएगा। यहाँ पर आवश्यकतानुसार फर्नीचर भी रखा जाएगा।

Ordnance (आयुध) को सुरक्षित रखने के लिए शस्त्रागार में स्थान आवंटित किया जाएगा। आदर्श रूप से एक छोटा कमरा अलग से स्वॉट टीम के नाम आवंटित कर दिया जाएगा, जहाँ टीम अपने अस्त्र–शस्त्र व आयुध को रखेगी और mobilization होने पर तीव्रता से उठा लेगी। इसकी चाभी टीम अपने पास रखेगी। अलग कमरा ना मिल पाने की स्थिति में उपलब्ध स्थान में ही एक अलग रैक उपलब्ध कराया जाएगा।

वाहन, बैरक:

स्वॉट टीम के लिए 1 मध्यम वाहन (टाटा स्वराज, माजदा, आदि), 1 हल्का वाहन (स्कार्पियो, टाटा सूमो, टवेरा आदि) और 1 मोटर साईकिल आवंटित की जाएगी। वाहनों पर कहीं भी पुलिस, आदि चिन्ह नहीं होगा। टीम के लिए 2 चालक स्थायी रूप से नियुक्त किये जाएं। यथासंभव चालक भी फिट हो और टीम के नियमित प्रशिक्षण में शामिल रहें। क्योंकि टैकटिक्स में उनका अति महत्वपूर्ण रोल होगा।

यद्यपि स्वॉट कर्मियों को आवास आवंटन में वरीयता दी जानी चाहिये, फिर भी कुछ सदस्य बैरक में रहना पसंद करेंगे। उनके लिए अलग बैरक/ कक्ष की व्यवस्था की जाएगी। प्रयास हो कि यह कक्ष स्वॉट कार्यालय के करीब ही हो।

आतंकवाद निरोधक तैयारी (Anti-Terrorist Preparedness):

स्वॉट टीम का एक महत्वपूर्ण कार्य होगा ऐसे स्थानों को चिन्हित करना जो आतंकवादियों का निशाना बन सकते हैं। इन स्थानों की रक्षा करने के लिए यदि स्वॉट टीम को बुलाया जाता है तो जिस जानकारी की आवश्यकता पड़ेगी उसे पहले से तैयार रखना होगा। उदाहरण: बिल्डिंग प्लान, सीसीटीवी कक्ष, अग्नि–शमन योजना, फोटोग्राफ, लिफ्ट का स्थान, पार्किंग, स्नाइपर पोजीशन, हैलीपैड, यदि चुप–चाप प्रवेश करना हो तो कौन से रास्ते हो सकते हैं, आदि। प्रत्येक ऐसे स्थान की फाइल तैयार की जाएगी और नियमित रूप से अध्यावधिक की जाएगी। एक रोस्टर के मुताबिक मॉक ड्रिल आयोजित की जाएंगी, जिनमें

अन्य संस्थाओं को भी यथासंभव सम्मिलित किया जाएगा–स्वास्थ्य सेवाएं, प्रशासन, सूचना विभाग, NSG, UP ATS आदि। इन कार्यों में LIU की सक्रिय भागीदारी रखी जाएगी।

अपराध निरोधक तैयारी

इसी प्रकार से अपेक्षा की जाती है कि swat team के द्वारा नियमित रूप से विभिन्न प्रकार के भवनों/घरों में अपराधियों के छुपे रहने पर अपेक्षित कार्यवाही का अभ्यास किया जाता रहेगा।

मै अपेक्षा करता हूँ कि उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन होगा। पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस उप महानिरीक्षक कृपया इन आदेशों का पालन सुनिश्चित करायेंगें।

भवदीय,

4/6/13

(अरूण कुमार)

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/
पुलिस अधीक्षक प्रभारी जनपद,
उत्तर प्रदेश।

संलग्नःयथोपरि (उपकरणों की सूची)

प्रतिलिपिः निम्नांकित को कृपया सूचनार्थ एवं अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः–

1- समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश।
2.– समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश।

4.6.13

संलग्नक–1

SWAT Equipment

Available in Districts	To be purchased by District	Available with PHQ	To be Purchased by PHQ
Weapons			
AK Rifle	Three Point Sling	MP 5	Tactical Lights
Glock 17 Pistol	Concealed Holster		Dagger
INSAS Rifle	Drop Holster		
INSAS Night Scope			
Wireless			
Hand Held Radio			VOX Headsets
Base Radio			
Uniform/ Apparel			
BP Helmet	**Black Uniform Set:** Dungarees, Cover for BP, Helmet Cover, Cap, Boots, Belt, pouches, assault vest, Knee and Elbow pads		
	Camouflage Uniform Set: Dungarees, Cover for BP, Helmet Cover, Cap, Boots, Belt, pouches, assault vest, Knee and Elbow pads		
	Alert Bag		
	Expandable Baton		
	Handcuffs		
	Multi purpose tool		
	LED Torch		
	PT Kit: Track Suit, T Shirts, Shoes		
Team Equipment	**PT:**		
Vehicle Troop Carrier	Cones, Mats, Punching bags, gloves Climbing Rope		Digital Camera
SUV			Room Entry Equipment
2 Wheeler			Tactical Ladder
			Ballistic Shield